मध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समायोजन पर शैक्षिक किया, परिवार एवं सामाजिक प्रभाव का अध्ययन

ऐकता सिंधु, सहायक प्रोफेसर

सारांश

विद्यालय में छात्र-छात्राओं का समायोजन विद्यालय के शैक्षिक वातावरण के अतिरिक्त उनके सामाजिक वातावरण तथा परिवार के वातावरण के ऊपर भी निर्भर करता है। आधुनिक समय में विश्व के विकसित देशों में शिक्षा की नई तकनीकों के उपयोग के कारण इसका का स्तर काफी विकसित हो चुका है। भारत में अभी इसमें विकास के असीम सम्भावनायें है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में जहां अभी छात्र ग्रामीण क्षेत्र से पढने आते है। उन्हें विकसित सुविधायें उपलब्ध नहीं है। ग्रामीण क्षेत्र के व्यवित्तगत विद्यालयों में विद्यालय प्रबन्धन शिक्षा के विकास की ओर अधिक ध्यान भी नहीं देते। दूसरी ओर ग्रामीण अचल के छात्रों की अर्थिक स्थिति भी कमजोर होने के कारण अच्छे विद्यालयों में प्रवेश नहीं ले पाते। सबसे अधिक कमी तो उन्हें उचित दिशा निर्देश न मिलने से होती है। माध्यमिक स्तर के बाद अधिक संख्या में छात्र या तो नौकरी ढूंढते है या किसी नित्तस्तर में उच्च विद्यालय में पढ़ाई करने को बाध्य हो जाते है। इस शीव में ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालय के विद्यार्थियों से उनके बारे में एक प्रश्न प्रपत्र के द्वारा जानकारी एकत्र कर उनका अध्ययन किया है। कि उनके समायोजन पर किन किन कारकों का प्रभाव पडता है।